Centre intégré universitaire de santé et de services sociaux du Centre-Ouest-de-l'Île-de-Montréal
Québec
Centre d'expertise sur le bien-être et l'état de santé physique des réfugiés et des demandeurs d'asile
Direction des affaires académiques

और शरणार्थि?

प्रवासन और COVID-19 के बाद के तनाव कारक

सामान्य आबादी से ज़्यादा शरणार्थियों में मनोवैज्ञानिक मुद्दों की खतरे और अधिक है।

+

एक महामारी का संदर्भ उनके मनोवैज्ञानिक संकटों को और संगीन कर सकता है।

COVID-19 के तनाव कारक

प्रवास के बाद की चुनौतियाँ

1
- मीडिया में जानकारी की मात्रा
- **भाषा अवरोध**: रोकथाम के उपायों और हकीकत की नासमझ

2
- खुद संक्रमित हो जाने का या दूसरों को संक्रमित करने का डर
- **पारिवारिक अलगाव** : अपने देश में छोड़ गए रिश्तेदारों की चिंता

3
- स्क्रीनिंग सेवाओं की प्रतीक्षा
- **स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच का अभाव**: सिस्टम की नासमझ, स्वास्थ्य कवरेज (शरण चाहने वाले)

4
- नौकरी खोना, टेलीवर्क
- **वित्तीय कठिनाइयों**: खाद्य असुरक्षा

5
- रोकथाम की अवधि की अनिश्चितता
- **अनिश्चित आवास**: भीड़, अस्वच्छ परिस्थितियाँ
- **अकेलापन**: समर्थन की कमी

6
- उदासी, बेबसी, निराशा
- **दर्दनाक अनुभवों** : पिछले दर्दनाक घटनाओं की दुःखदायी यादें

Sources :
Brooks S., Webster R., et al. (2020). «The psychological impact of quarantine and how to reduce it : rapid review of the evidence », *The Lancet*, vol 395, pp. 912-920.
Hynie, M. (2018). « The social determinants of refugee mental health in the post-migration context : a critical review »,*The Canadian Journal of Psychiatry*, vol. 63, n°15, pp. 297-303.
Li S. S. Y. , Liddell B. J. et Nickerson A. (2016). « The relationship between post-migration stress and psychological disorders in refugees and asylum seekers », *Current Psychiatry Reports*, vol. 18, n°182, p. 9.

© CERDA, CIUSSS du Centre-Ouest-de-l'île-de-Montréal, mars 2020.